गंगा नदी के किनारे एक प्रार्थना यात्रा

हिंदू लोगों के लिए 7 दिवसीय मार्गदर्शिका

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

“जो प्यासा है, उसे मैं जीवन के जल के सोते से नि:शुल्क पानी पिलाऊँगा।”
प्रकाशितवाक्य 21:6 (एनआईवी)



इस सप्ताह यीशु के साथ यात्रा करने का निमंत्रण है, गंगा नदी के किनारे बसे प्रमुख शहरों का दौरा करना, लाखों लोगों को जीवनदायी जल और दुनिया के प्रकाश के स्रोत को जानने और उसका अनुसरण करने के लिए आमंत्रित करना।

IPC 110 Cities fft finishing the task

गंगा केंद्रित हिंदू प्रार्थना यात्रा

हिंदू लोगों के लिए 7 दिवसीय मार्गदर्शिका

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

परिचय

विशाल हिमालय पर्वतमाला से, जहाँ बर्फ से ढकी चोटियाँ आकाश को छूती हैं, महान गंगा नदी अपनी यात्रा शुरू करती है। नेपाल और उत्तरी भारत के निकटवर्ती पर्वतीय क्षेत्रों से बहते हुए, इसका जल घाटियों, मैदानों, घनी आबादी वाले शहरों और ग्रामीण गाँवों से होकर अंततः समुद्र और उससे आगे तक पहुँचता है। इस पवित्र मार्ग पर लाखों ऐसे लोग रहते हैं जो अछूते जनसमूहों में आते हैं और जिन्हें यीशु मसीह के सुसमाचार को सुनने का बहुत कम या बिल्कुल भी अवसर नहीं मिलता है।

हिमालय की गोद में बसा नेपाल और उसकी राजधानी काठमांडू, हिंदू और बौद्ध परंपराओं से गहराई से प्रभावित हैं। मंदिर, तीर्थस्थल, रीति-रिवाज और त्यौहार दैनिक जीवन को आध्यात्मिक श्रद्धा से भर देते हैं। यह नदी हरिद्वार, प्रयागराज, वाराणसी, पटना और कोलकाता से होकर बहती है और उन समुदायों से गुजरती है जहां पीढ़ियों से लोग इस पवित्र नदी से जुड़ी धार्मिक परंपराओं के माध्यम से शुद्धि, आशीर्वाद और मोक्ष की तलाश करते आए हैं। दक्षिण एशिया और उससे परे भी, दिवाली से जुड़े प्रतीक आज भी संस्कृतियों और परंपराओं में रचे-बसे हुए दिखाई देते हैं।

बाली और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों जैसे दूर-दराज के स्थानों में भी, प्राचीन आठ-नुकीले तारे के प्रतीक को समृद्धि, आशीर्वाद और आध्यात्मिक प्रकाश से जोड़ा जाता है। दिवाली के दौरान, कई हिंदू धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं, यह मानते हुए कि वह आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद और कृपा लाती हैं। घरों की सफाई की जाती है, उन्हें दीयों से सजाया जाता है और लक्ष्मी को घर में प्रवेश करने और आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करने के लिए दरवाजे जानबूझकर रात भर खुले रखे जाते हैं। चूंकि हिंदू व्यापार का नया वर्ष अक्सर दिवाली के तुरंत बाद शुरू होता है, इसलिए यह मौसम समृद्धि, शांति और नई शुरुआत की आशा से भरा गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है।

लेकिन दिवाली के दौरान जलाए गए हर दीपक के पीछे शांति, आशा और सच्चे प्रकाश की गहरी चाहत छिपी होती है। परमेश्वर का हृदय है कि हर जाति और राष्ट्र उसे जाने। जैसा कि यशायाह 49:6 (एनआईवी) में कहा गया है, "मैं तुझे अन्यजातियों के लिए ज्योति बनाऊँगा, ताकि मेरा उद्धार पृथ्वी के छोर तक पहुँच जाए।" जैसे-जैसे हम हिमालय से पृथ्वी के छोर तक गंगा की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आइए हम प्रार्थना करें कि बहुत से लोग जगत की सच्ची ज्योति, यीशु मसीह से मिलें और उस आशा और उद्धार का अनुभव करें जो केवल उन्हीं में पाया जाता है।



गंगा नदी के किनारे एक प्रार्थना यात्रा

हिंदू लोगों के लिए 7 दिवसीय मार्गदर्शिका

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

हिंदू धर्म को समझना		04
हम दुनिया भर के 110 शहरों पर ही क्यों ध्यान केंद्रित करते हैं?		05
गंगा बेसिन		07
पहला दिन: हिमालय	– कैलाश पर्वत, काठमांडू	08
दिन 2: ऊपरी गंगा	– Haridwar & Rishikesh, Uttarakhand	09
तीसरा दिन: मध्य उत्तर प्रदेश	-अयोध्या एवं इलाहाबाद/प्रयागराज	10
चौथा दिन: पूर्वी उत्तर प्रदेश	वाराणसी - हिंदू धर्म का हृदय	11
दिन 5: निचली गंगा	– पटना और कोलकाता	12
Day 6: DIASPORA/BAPS/YOGA/GUJARATIS/DIWALI		13
दिन 7: हिंदू लोगों के लिए वैश्विक प्रार्थना दिवस		14
2027 में मनाए जाने वाले 5 वैश्विक प्रार्थना दिवस		15
परमेश्वर के वचन के अनुसार प्रार्थना करना - यूवर्जन ऐप		16

हिंदू धर्म को समझना

जब हम अपनी प्रार्थना यात्रा शुरू करते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि हम रुकें और उन लोगों को समझें जिनके लिए हम प्रार्थना कर रहे हैं। विश्वभर में 12 लाख से अधि
हिंदुओं के साथ—जो वैश्विक आबादी का लगभग 15% हैं—हिंदू धर्म पृथ्वी पर सबसे प्राचीन और सबसे व्यापक धर्मों में से एक है। अधिकांश, 94% से अधिक, भार
और नेपाल में रहते हैं, हालांकि श्रीलंका, बांग्लादेश, बाली (इंडोनेशिया), मॉरीशस, त्रिनिदाद, फिजी, ब्रिटेन और उत्तरी अमेरिका में भी जीवंत हिंदू समुदाय पाए जाते हैं
लेकिन रीति-रिवाजों, प्रतीकों और त्योहारों के पीछे वास्तविक लोग हैं—माताएँ, पिता, छात्र, किसान, पड़ोसी—प्रत्येक को ईश्वर की अनूठी छवि में बनाया गया है, औ
ईश्वर उनसे अत्यंत प्रेम करते हैं।

हिंदू धर्म की उत्पत्ति क्या है?

हिंदू धर्म की शुरुआत किसी एक संस्थापक या पवित्र घटना से नहीं हुई। बल्कि, यह प्राचीन ग्रंथों, मौखिक परंपराओं और दर्शन एवं पौराणिक कथाओं की विभिन्न परतों से आकार लेते हुए हजारों वर्षों में धीरे-धीरे विकसित हुआ। कई विद्वान इसकी जड़ों को सिंधु घाटी सभ्यता और लगभग 1500 ईसा पूर्व इंड लोगों के आगमन से जोड़ते हैं। हिंदू धर्म के सबसे प्राचीन ग्रंथों में से कुछ वेद इसी काल में रचे गए थे और आज भी हिंदू आस्था के केंद्र में हैं।

हिंदू होने का क्या अर्थ है?

हिंदू होने का मतलब हमेशा किसी विशिष्ट सिद्धांत में विश्वास करना नहीं होता है - अक्सर इसका मतलब एक संस्कृति, पूजा की एक लय और जीवन के एक साझा तरीके में जन्म लेना होता है।

कई लोगों के लिए, हिंदू धर्म पीढ़ी दर पीढ़ी त्योहारों, पारिवारिक रीति-रिवाजों, तीर्थयात्राओं और कहानियों के माध्यम से आगे बढ़ता है। कुछ हिंदू अत्यंत धर्मनिष्ठ होते हैं, जबकि अन्य आध्यात्मिक आस्था से अधिक सांस्कृतिक पहचान के कारण इसका पालन करते हैं। हिंदू एक ईश्वर, अनेक देवताओं की पूजा कर सकते हैं, या यहाँ तक कि संपूर्ण सृष्टि को ही दैवीय मान सकते हैं। हिंदू धर्म में अनगिनत संप्रदाय और प्रथाएँ शामिल हैं, फिर भी इसके मूल में कर्म (कारण और परिणाम), धर्म (धार्मिक कर्तव्य), संसार (पुनर्जन्म का चक्र) और मोक्ष (इस चक्र से मुक्ति) में विश्वास निहित है।



हम दुनिया भर के 110 शहरों पर क्यों ध्यान केंद्रित करते हैं?

इस गाइड में जगह-जगह कुछ खास शहरों का ज़िक्र किया गया है, जो एशिया के उन 19 शहरों में से कुछ उदाहरण हैं जहाँ हिंदू बहुसंख्यक आबादी रहती है। इन लिंक पर क्लिक करने से आप https://110cities.com/ वेबसाइट पर उस शहर की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

110 शहरों की रणनीतिक योजना वैश्विक स्तर पर शहरीकरण की ओर हो रहे महत्वपूर्ण बदलाव और शहरों के प्रति ईश्वर के प्रेम को ध्यान में रखते हु बनाई गई है। बाइबल में शहरों का बार-बार ज़िक्र है, और यीशु के यरूशलेम पर रोने का भी। वर्तमान में विश्व की आधी से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है।

अनुमान है कि 2050 तक यह आंकड़ा दो-तिहाई तक पहुंच जाएगा, जिसमें लगभग 30 लाख लोग शहरों में चले जाएंगे।

प्रवास के दौरान साप्ताहिक रूप से। इस प्रार्थना और मिशन पहल का केंद्र बिंदु है

भजन संहिता 110:1-3 में परमेश्वर के लोगों को "स्वेच्छा से आगे आने" और राष्ट्रों को बचाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करने में शामिल होने का "आदेश" दिया गया है। प्रार्थना के माध्यम से यीशु के साथ परिश्रम करने का यह निमंत्रण उनकी योग्यता में निहित है।



हम दुनिया भर के 110 शहरों पर क्यों ध्यान केंद्रित करते हैं?



इन 110 शहरों का चयन अत्यंत रणनीतिक है, जो कई कारकों से प्रेरित है:

- **इन्हें विश्व स्तर पर सबसे कम पहुंच वाले महानगरों के रूप में पहचाना जाता है; इन शहरों में दुनिया की शेष 97% आबादी द्वारा बोली जाने वाली भाषाएं बोली जाती हैं।**
- **चर्च स्थापना आंदोलन के नेताओं के साथ परामर्श के माध्यम से शहरों का चयन किया गया था, जिसमें उन स्थानों को प्राथमिकता दी गई थी जो स्थानीय आबादी तक पहुंचने और आंदोलनों के प्रसार के लिए लॉन्चपैड के रूप में कार्य करने दोनों के लिए रणनीतिक थे।**
- **विश्वभर में चर्च स्थापित करने वाले सबसे बड़े आंदोलनों द्वारा इन शहरों को प्रशिक्षण, संसाधन और कार्यकर्ताओं को भेजने के लिए लक्षित किया जाता है।**
- **इन शहरों के भीतर लोगों के समूहों का चयन भाषा डेटाबेस और विश्व ईसाई डेटाबेस की 257 लोगों के समूहों की सूची के आधार पर किया गया था, जिनमें सबसे अधिक गैर-ईसाई व्यक्ति शामिल हैं, जो मिलकर वैश्विक स्तर पर सभी गैर-ईसाई व्यक्तियों के 80% से अधिक को शामिल करते हैं।**

इसका उद्देश्य पूरे शहर में सुसमाचार के राज्य का एक आंदोलन स्थापित करना है, एक ऐसी स्वाभाविक घटना जहां पवित्र आत्मा पूरे शहर में विचरण करे, जिससे मसीह का शरीर जनसंख्या से भी तेजी से बढ़े और पूरे शहर को मसीह के लिए प्रभावित करे।

- **इन वैश्विक शहरों में रहने वाले लोगों के बीच प्रार्थना और शिष्य बनाने के कार्य में लाखों अन्य लोगों के साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद।**

THE GANGES BASIN

FROM GAUMUKH TO THE BAY OF BENGAL

A SACRED RIVER • A SHARED HERITAGE • A LIFELINE FOR MILLIONS



SOURCE
GAUMUKH
Gaumukh Glacier
Uttarakhand, India
Altitude: 4,023 m

> Ganga is not just a river,
> it is a lifeline, a culture,
> a faith and a civilizations.

MAJOR TRIBUTARIES

1. Yamuna
2. Alaknanda
3. Bhagirathi
4. Mandakini
5. Dhauliganga
6. Pindar
7. Nandakini
8. Ramganga
9. Gomti
10. Ghaghara (Karnali)
11. Gandak
12. Kosi
13. Son
14. Punpun
15. Damodar

MAJOR CITIES ON THE GANGA

1. Gangotri
2. Uttarkashi
3. Rishikesh
4. Haridwar
5. Bijnor
6. Kannauj
7. Kanpur
8. Fatehpur
9. Prayagraj
10. Varanasi
11. Bhagalpur
13. Murshidabad
14. Kolkata

BASIN STATES / REGIONS (INDIA)

- Uttarakhand
- Uttar Pradesh
- Bihar
- Jharkhand
- West Bengal

AMAZING FACTS

- The Ganga basin is home to over 40% of India's population.
- The basin supports agriculture, industry, biodiversity and culture.
- The Ganga river system is vital for food security, economy and spiritual life.

GANGES BASIN OVERVIEW

- Length: ~2,525 km (Gaumukh to Bay of Bengal)
- Basin Area: ~10,86,000 sq km
- Countries Covered: India, Nepal, Bhutan, Bangladesh
- Supports over 40% of India's population
- One of the world's Most Culturally & Spiritually Significant River Basins



LEGEND
- Main Stem (Ganga)
- Major Tributaries
- River
- International Boundary
- State / Country Boundary
- Major City / Town
- Important Temple / Ghat

THE JOURNEY OF GANGA



DID YOU KNOW?

The Ganges basin spreads across India, Nepal, Bhutan and Bangladesh and drains into the Bay of Bengal, forming the world's largest delta

दिन 1
2 नवंबर

पहाड़ों से भी ऊपर अपनी निगाहें उठाते हुए

“मैं अपनी आँखें पहाड़ों की ओर उठाता हूँ, मेरी सहायता कहाँ से आएगी? मेरी सहायता प्रभु से आती है, जो स्वर्ग और पृथ्वी का सृष्टिकर्ता है।”

भजन संहिता 121:1-2 (एनआईवी)

ध्यान केंद्रित करना:

हिमालय-
कैलाश पर्वत, काठमांडू

हम अपनी प्रार्थना यात्रा की शुरुआत हिमालयी क्षेत्र, जिसमें कैलाश पर्वत और नेपाल शामिल हैं, पर ध्यान केंद्रित करके करते हैं। यद्यपि इस क्षेत्र में अन्य धर्मों के लोग भी मौजूद हैं, फिर भी हम अपनी प्रार्थनाओं को हिमालयी क्षेत्र पर केंद्रित करते हैं।

आज इस क्षेत्र में हिंदू धर्म के लोग रहते हैं। पूर्व से पश्चिम तक लगभग 2,400 किलोमीटर में फैले हिमालय पर्वतमाला नेपाल, भारत, भूटान, चीन और पाकिस्तान तक फैली हुई है। धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण यह क्षेत्र कई पवित्र स्थलों का घर है। बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे हिमालयी पवित्र स्थलों पर लाखों तीर्थयात्री दर्शन के लिए आते हैं, वहीं स्थायी रूप से रहने वालों के लिए हिमालय एक कठिन लेकिन मजबूत सामुदायिक जीवन शैली प्रदान करता है। आजीविका भोजन उगाना और पशुपालन पर निर्भर करती है। ग्लेशियरों के पिघलने से बदलते मौसम और मौसमी पैटर्न के कारण यह एक चुनौती बन जाती है।

संस्कृति, आस्था और परंपरा का भूदृश्य से गहरा संबंध है। हिमालय की कई चोटियों को देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। कई हिंदुओं के प्रमुख देवता भगवान शिव अपनी पत्नी पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। तीर्थयात्री वहां पवित्र अनुष्ठान करने और आशीर्वाद प्राप्त करने की आशा में पास के मानसरोवर झील में स्नान करने जाते हैं।

मुख्य रूप से हिमालय में स्थित नेपाल में 23.5 मिलियन हिंदू रहते हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, लेकिन नेपाल में ईसाई धर्म के प्रति सहिष्णुता लगातार कम होती जा रही है; उत्पीड़न और धर्मांतरण विरोधी कानूनों में वृद्धि हो रही है।

प्रार्थना के बिंदु

- हिमालयी क्षेत्र में रहने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे कैलाश पर्वत से भी अधिक ऊँचाई तक अपनी दृष्टि उठा सकें।
    - अन्य पवित्र स्थलों को उस ईश्वर को समर्पित करना जिसने उन्हें बनाया, उनसे प्रेम किया, उनके लिए जिया और मर गया ताकि उन्हें शाश्वत जीवन मिल सके।

“अंतिम दिनों में यहोवा के मंदिर का पर्वत सभी पर्वतों में सबसे ऊँचा स्थापित होगा; वह पहाड़ियों से भी ऊँचा उठाया जाएगा और सभी राष्ट्र उसकी ओर उमड़ पड़ेंगे।” यशायाह 2:2 (एनआईवी)

- शिव या अन्य देवताओं से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए तीर्थयात्रा पर निकले लोगों के लिए प्रार्थना करें।
- रास्ते में यीशु से मिलना और उनके पीछे चलने के लिए अपना जीवन समर्पित कर देना।

“धन्य हैं वे जिनका बल तुझमें है, जिनका हृदय तीर्थयात्रा पर लगा हुआ है। जब वे बाका की घाटी से होकर गुजरते हैं, तो वह जलप्रपातों से भर जाती है; शरद ऋतु की वर्षा भी उसे तालाबों से भर देती है।” भजन संहिता 84:5-6 (एनआईवी)

- नेपाल में उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो बढ़ते धर्मांतरण विरोधी कानूनों के कारण यीशु में विश्वास करने में संकोच कर रहे हैं, और वहां के उन विश्वासियों के लिए भी प्रार्थना करें जिन पर लगातार अत्याचार हो रहा है।

“परन्तु हमारे पास यह खजाना मिट्टी के बर्तनों में है, ताकि यह सिद्ध हो कि यह सर्वोत्कृष्ट शक्ति परमेश्वर की ओर से है, हमारी ओर से नहीं। हम चारों ओर से संकट में घिरे हैं, परन्तु कुचले नहीं गए; व्याकुल हैं, परन्तु निराश नहीं; सताए गए हैं, परन्तु त्यागे नहीं गए; गिराए गए हैं, परन्तु नष्ट नहीं हुए।” 2 कुरिन्थियों 4:7-9 (एनआईवी)

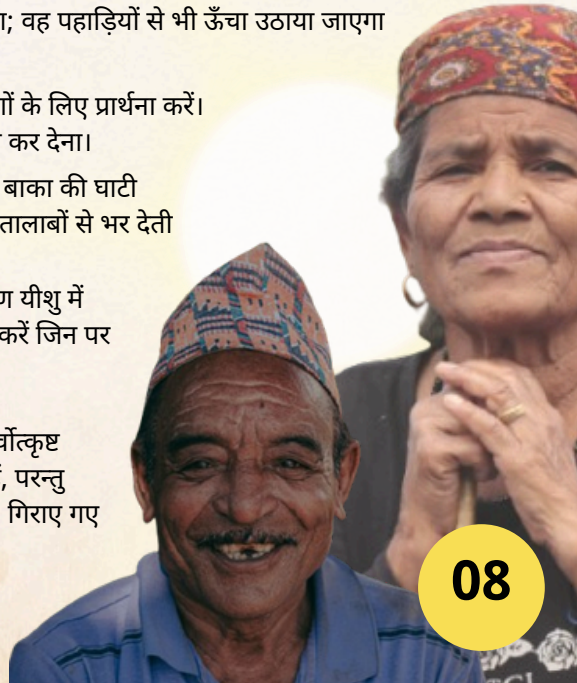

दिन 2

3 नवंबर

यीशु का उन लोगों से मिलना और उन्हें चंगा करना जिन्हें उनके बारे में बहुत कम जानकारी थी

"उसने मुझे टूटे हुए दिलों को जोड़ने, बंदियों के लिए स्वतंत्रता की घोषणा करने और कैदियों को अंधकार से मुक्ति दिलाने के लिए भेजा है।"

यशायाह 61:1 (एनआईवी)

ध्यान केंद्रित करना:

ऊपरी गंगा–
Haridwar & Rishikesh, Uttarakhand

हिमालय की तलहटी में बसे हरिद्वार और ऋषिकेश हिंदू धर्म के सबसे पवित्र शहरों में गिने जाते हैं। यहीं से गंगा नदी पहाड़ों से निकलकर अपनी लंबी यात्रा शुरू करती है।

भारत। लाखों तीर्थयात्री हर साल इन शहरों में पवित्र जल में स्नान करने के लिए आते हैं, यह मानते हुए कि इससे उन्हें आध्यात्मिक शांति मिलती है। यह नदी पापों को धो सकती है और आध्यात्मिक मुक्ति दिला सकती है। हरिद्वार अपनी गंगा आरती के लिए प्रसिद्ध है।
जहां एक ओर हिंदू धर्मांध धार्मिक अनुष्ठान होते हैं, वहीं ऋषिकेश योग, ध्यान और आध्यात्मिक खोज का एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र बन गया है। यह क्षेत्र बढ़ते हिंदू राष्ट्रवाद से भी गहराई से प्रभावित है। उत्तराखंड में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू हैं जो ईसाई गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखते हैं। कई गांवों में हिंदू पृष्ठभूमि के अनुयायियों को अपने परिवारों से अस्वीकृति, सामाजिक बहिष्कार, धमकियों या हिंदू धर्म में वापस लौटने के दबाव का सामना करना पड़ता है।

इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों में गढ़वाली लोग भी शामिल हैं, जिनकी सुसमाचार तक पहुंच सीमित है। हालांकि उत्तराखंड में विश्वासी और सेवक पूरी निष्ठा से सेवा कर रहे हैं, फिर भी कई दूरस्थ क्षेत्रों में सुसमाचार का प्रसार संभव नहीं है।
पर्वतीय समुदाय आध्यात्मिक रूप से अभी भी अछूते हैं।

गढ़वाली मूल की रीना एक समय बिस्तर पर पड़ी थीं, लेकिन प्रभु ने चमत्कारिक रूप से उन्हें चंगा कर दिया। उन्होंने और उनके पति ने यीशु का अनुसरण करने का निर्णय लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने उनके विश्वास के कारण उन्हें अस्वीकार कर दिया। वर्षों की निरंतर प्रार्थना के फलस्वरूप, अब उनके परिवार के आधे से अधिक सदस्यों ने यीशु को स्वीकार कर लिया है और वे सब मिलकर प्रभु की सेवा कर रहे हैं।

प्रार्थना के बिंदु

- प्रार्थना करें कि उत्तराखंड में गढ़वाली और अन्य अछूते समुदायों को यीशु मसीह का व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त हो।

  "हे प्यासे लोगो, आओ जल के पास; और जिनके पास धन नहीं है, आओ, खरीदो और खाओ! आओ, बिना धन और बिना कीमत के दाखमधु और दूध खरीदो।" यशायाह 55:1 (एनआईवी)

- उत्पीड़न और विरोध का सामना कर रहे पादरियों, प्रचारकों और विश्वासियों के लिए सुरक्षा, साहस और ज्ञान के लिए प्रार्थना करें।

  "मजबूत और साहसी बनो। उनसे डरो मत और घबराओ मत, क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे साथ है; वह तुम्हें कभी नहीं छोड़ेगा और न ही तुम्हें त्यागेगा।" व्यवस्थाविवरण 31:6 (एनआईवी)

- प्रार्थना है कि दिवाली के दौरान हरिद्वार और ऋषिकेश में अनेक आध्यात्मिक साधक विश्व के सच्चे प्रकाश को प्राप्त करें।

  "यीशु ने कहा, "मैं जगत की ज्योति हूँ। जो कोई मेरा अनुसरण करेगा, वह कभी अंधकार में नहीं चलेगा, बल्कि उसे जीवन की ज्योति मिलेगी।" यूहन्ना 8:12 (एनआईवी)

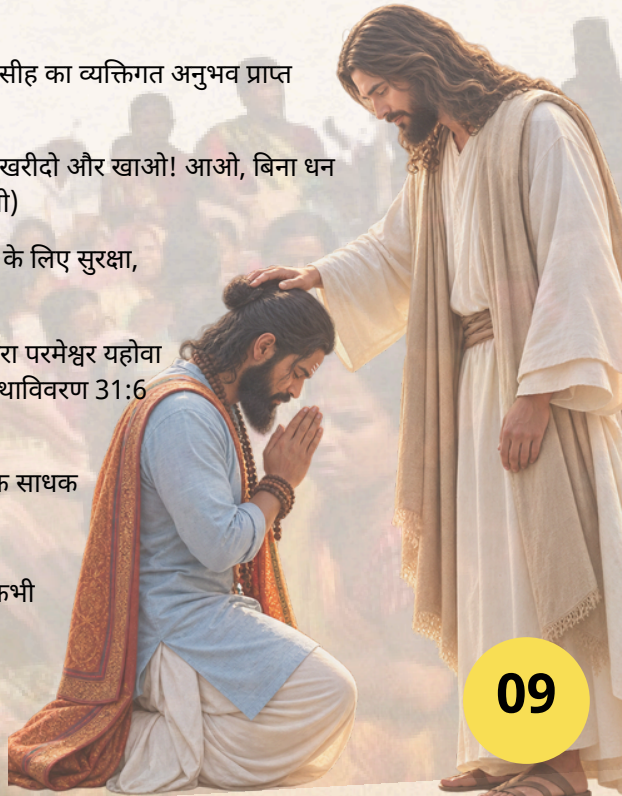

तीसरा दिन

4 नवंबर

भगवान के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

मैं तुमसे सच कहता हूँ, यदि तुम्हारे पास राई के दाने के बराबर भी विश्वास हो, तो तुम इस पर्वत से कह सकते हो, 'यहाँ से वहाँ चले जाओ,' और वह चला जाएगा। तुम्हारे लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा।'

मत्ती 17:20 (एनआईवी)

ध्यान केंद्रित करना:

मध्य उत्तर प्रदेश-अयोध्या और इलाहाबाद/ प्रयागराज

गंगा के मैदानी इलाकों में स्थित पवित्र नदी मार्ग पर बसे अयोध्या और प्रयागराज (इलाहाबाद) हिंदुओं के दो सबसे पवित्र शहर हैं। इस पवित्र मार्ग की यात्रा करने वाले तीर्थयात्री अपनी यात्रा में इन दोनों शहरों को शामिल करते हैं - सरयू नदी पर स्थित अयोध्या और गंगा और यमुना के संगम पर बसा प्रयागराज।

अयोध्या, भगवान राम की पौराणिक जन्मभूमि, आधुनिक भारत के सबसे विस्फोटक धार्मिक-राजनीतिक संघर्षों में से एक का केंद्र रही है। 1992 में हिंदू राष्ट्रवादियों द्वारा बाबरी मस्जिद का विध्वंस - उस विवादित स्थल पर जहां कथित तौर पर राम का जन्म मंदिर हुआ करता था - ने दंगों को भड़का दिया जिसमें 2,000 से अधिक लोग मारे गए। 2019 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने इस स्थल को हिंदुओं को सौंप दिया और 2024 में एक भव्य राम मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ये पवित्र स्थल हिंदू पहचान से कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं।

प्रयागराज में कुंभ मेला आयोजित होता है, जो दुनिया का सबसे बड़ा मानव जमावड़ा है, जिसमें 400-500 मिलियन तीर्थयात्री आते हैं - जिनमें से कई दुनिया भर से यात्रा करते हैं - और उनमें से अधिकांश ने कभी भी सुसमाचार नहीं सुना होता है।

जिन लोगों तक अभी तक संदेश नहीं पहुंचा है, उनमें बनिया समुदाय - जो इस क्षेत्र में एक प्रमुख व्यापारी जाति है - पीढ़ियों से चली आ रही भक्तिमय हिंदू प्रथाओं और सामाजिक अलगाव में डूबे रहने के कारण, ईसा मसीह के संदेश से काफी हद तक अछूता रहा है।

प्रार्थना के बिंदु

- प्रार्थना करें कि सुसमाचार अयोध्या और प्रयागराज के लोगों तक स्पष्टता और शक्ति के साथ पहुंचे, कि पवित्र आत्मा उनके हृदयों को कोमल करे ताकि वे इसे ग्रहण कर सकें, और कि उसकी चंगाई देने वाली उपस्थिति हिंदू और मुस्लिम पड़ोसियों के बीच उन संबंधों को बहाल करे जो लंबे समय से तनाव में रहे हैं।
  - तब यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास आया: "मैं यहोवा, समस्त मानवजाति का परमेश्वर हूँ। क्या मेरे लिए कुछ भी कठिन है?" यिर्मयाह 32:26 (एनआईवी)
- उन सभी के लिए प्रार्थना करें जो शुद्धि और नवीनीकरण की तलाश में कुंभ मेले की यात्रा करते हैं, ताकि उन्हें यीशु के अनुयायी मिल सकें जो उन्हें बता सकें कि वह जीवित जल है, वही है जो हमें वास्तव में पवित्र करता है और हमें आत्मा और सच्चाई में ईश्वर की उपासना करने के लिए स्वतंत्र करता है।

  पर्व के अंतिम और सबसे महान दिन, यीशु खड़े होकर ऊँची आवाज़ में बोले, "जो कोई प्यासा हो, वह मेरे पास आए और पिए। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि पवित्रशास्त्र में लिखा है, उसके भीतर से जीवनदायी जल की नदियाँ बहेंगी।" यूहन्ना 7:37-38 (एनआईवी)
- बनिया लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे ईश्वर के उस महान प्रेम को जान सकें जो ईश्वर उनसे करता है, एक ऐसा प्रेम जो यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से सभी के लिए उपलब्ध कराया गया है, और यह कि बहुत से लोग उनके प्रेम के प्रति समर्पण करके और पूरे दिल से उनका अनुसरण करके इसका जवाब दें।

"हे प्रभु, अपने आकाश को खोल दे और नीचे आ; पहाड़ों को छू ले, जिससे वे धुंआ छोड़ने लगें। बिजली गिराकर शत्रु को तितर-बितर कर दे; अपने तीर चलाकर उन्हें खदेड़ दे। ऊपर से अपना हाथ बढ़ा दे; मुझे प्रचंड जल से, परदेसियों के हाथों से बचा ले।" भजन संहिता 144:5-7 (एनआईवी)

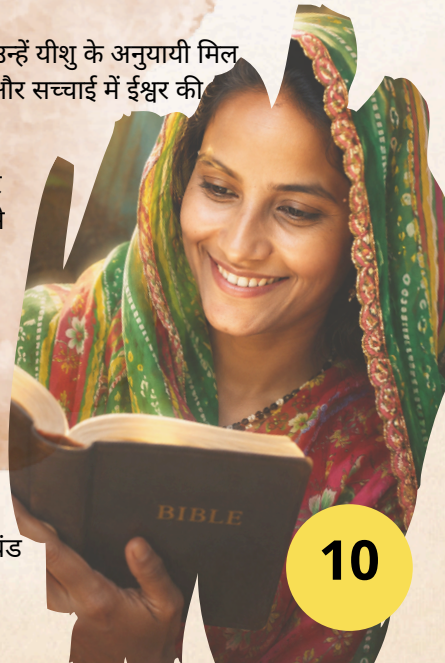

दिन 4

5 नवंबर

हिंदू धर्म का आध्यात्मिक हृदय

"जैसे हिरण पानी की धाराओं के लिए तरसता है, वैसे ही मेरी आत्मा हे मेरे परमेश्वर, आपके लिए तरसती है। मेरी आत्मा परमेश्वर के लिए, जीवित परमेश्वर के लिए प्यासी है। मैं कब जाकर परमेश्वर से मिल सकूँ?"

भजन संहिता 42:1-2 (एनआईवी)

ध्यान केंद्रित करना:

पूर्वी उत्तर प्रदेश–
वाराणसी

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी (जिसे उत्तर प्रदेश में काशी या बनारस के नाम से भी जाना जाता है) विश्व के सबसे प्राचीन निरंतर बसे शहरों में से एक है और हिंदू धर्म का आध्यात्मिक केंद्र है। लाखों तीर्थयात्री हर साल पवित्र गंगा में स्नान करने, धार्मिक अनुष्ठान करने और पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति पाने के लिए यहां आते हैं। शहर के घाट, मंदिर और श्मशान घाट गहरी आध्यात्मिक प्यास को दर्शाते हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक संख्या में अपंग जनसमूहों (यूपीजी) का घर है। इनमें भोजपुरी लोग, मल्लाह (नाविक), डोम समुदाय, जुलाहा (बुनकर) और कई दलित समुदाय शामिल हैं। इनमें से कई लोगों को अपनी भाषा और संस्कृति में सुसमाचार तक बहुत कम या बिल्कुल भी पहुंच नहीं है।

वाराणसी एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है, जिसका प्रभाव उत्तर भारत के लाखों लोगों पर पड़ता है। दिवाली के दौरान, हजारों दीये नदी के किनारों को रोशन करते हैं और परिवार समृद्धि, आशीर्वाद और नई शुरुआत के लिए प्रार्थना करते हैं। यह प्रार्थना करने का एक महत्वपूर्ण समय है कि आध्यात्मिक प्रकाश की तलाश करने वालों को यीशु मसीह, जो दुनिया का सच्चा प्रकाश हैं, का अनुभव हो।

चर्च का विस्तार हो रहा है, इसके बावजूद विश्वासियों को अक्सर सामाजिक बहिष्कार, उत्पीड़न और उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण विरोधी कानूनों के तहत बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ता है।

प्रार्थना के बिंदु

- पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थित अनेक यूपीपी (उत्तर प्रदेश जनसमूह) के लिए प्रार्थना करें कि वे सुसमाचार को सुनें और उस पर प्रतिक्रिया दें।
    - "परन्तु जब कोई प्रभु की ओर मुड़ता है, तो पर्दा हट जाता है। प्रभु आत्मा है, और जहाँ प्रभु की आत्मा है, वहाँ स्वतंत्रता है।" 2 कुरिन्थियों 3:16-17 (एनआईवी)
- वाराणसी में सेवा कर रहे पादरियों, प्रचारकों और विश्वासियों के लिए साहस, सुरक्षा और ज्ञान के लिए प्रार्थना करें।

    "प्रभु मेरा चरवाहा है, मुझे किसी चीज की कमी नहीं है। वह मुझे हरी-भरी चरागाहों में लेटाता है, वह मुझे शांत जलधाराओं के किनारे ले जाता है, वह मेरी आत्मा को तरोताजा करता है। वह अपने नाम की खातिर मुझे सही रास्तों पर ले चलता है। चाहे मैं घोर अंधकारमय घाटी से होकर गुजरूं, मैं किसी बुराई से नहीं डरूंगा, क्योंकि तू मेरे साथ है; तेरा डंडा और तेरा लाठी मुझे दिलासा देते हैं।" भजन संहिता 23:1-4 (एनआईवी)
- प्रार्थना है कि दिवाली के दौरान, आशा और आशीर्वाद की तलाश में रहने वाले कई लोग यीशु मसीह की मुक्तिदायक कृपा को पा सकें।

"जब तुम पूरे मन से मेरी खोज करोगे, तो मुझे पाओगे। मैं तुम्हें मिलूंगा," यहोवा कहता है, "और तुम्हें गुलामी से छुड़ाऊंगा।" यिर्मयाह 29:13-14 (एनआईवी)



दिन 5

6 नवंबर

ईश्वर देखता है, ईश्वर महसूस करता है, ईश्वर सुनता है और ईश्वर उपस्थित है।

"आप ही वह ईश्वर हैं जो मुझे देखते हैं," उसने कहा, "मैंने अब उसे देख लिया है जो मुझे देखता है।"

उत्पत्ति 16:13 (एनआईवी)

ध्यान केंद्रित करना:

निचली गंगा–
पटना और कोलकाता

गंगा घाटी में प्रार्थना की अपनी यात्रा जारी रखते हुए, हम इस मध्यस्थता तीर्थयात्रा के अंत के करीब पहुँच रहे हैं। आज हम अपना ध्यान पटना और कोलकाता की ओर लगाते हैं, ये दो प्रभावशाली शहर हैं जिनका इतिहास और वास्तविकता पूर्वी भारत के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं।

बिहार की राजधानी पटना भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक में स्थित है। इस सरकारी केंद्र के आसपास बसे कई परिवार आज भी गरीबी, बेरोजगारी और सीमित अवसरों से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों का जीवन अक्सर ग्रामीण कठिनाइयों और जीवनयापन की तलाश में शहरों की ओर पलायन से प्रभावित होता है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, बौद्धिक जीवन और कलात्मक प्रभाव के लिए जानी जाती है, और शिक्षा और राजनीतिक चिंतन के केंद्र के रूप में इसका लंबा इतिहास रहा है। फिर भी, इसकी ऐतिहासिक सुंदरता और प्रमुखता के बावजूद, कई निवासियों को भीड़भाड़, कठिनाइयों और गंभीर सामाजिक ज़रूरतों का सामना करना पड़ता है।

दोनों शहरों में, मानव तस्करी कमजोर लोगों को अपना शिकार बनाना जारी रखे हुए है। जाति आधारित उत्पीड़न कई हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए एक दर्दनाक वास्तविकता बनी हुई है। कई लोगों को शिक्षा, रोजगार, विवाह और सामाजिक स्वीकृति में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। पीढ़ियों से लोग यह सुनते आ रहे हैं कि जन्म की परिस्थितियों के कारण उनका मूल्य कम है, जिससे अलगाव, शर्म और निराशा के घाव रह जाते हैं जो परिवारों को दशकों तक प्रभावित करते हैं। पटना और कोलकाता की विशाल आबादी के पीछे लाखों लोग हैं जिन्हें ईश्वर का प्रेम प्राप्त है, और प्रत्येक अपने साथ आशाएं, संघर्ष और गरिमा, न्याय और आशा की लालसा लिए हुए है।

प्रार्थना के बिंदु

- पटना और कोलकाता में सत्ता और संसाधनों तक पहुंच रखने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु में क्षमा और नए जीवन की अपनी आवश्यकता को पहचानें, और उस अवसर को पहचानें जो वह उन्हें अपने शहरों में न्याय के साथ कार्य करने, दया दिखाने और विनम्रता से चलने के लिए प्रदान करता है।
  - "हे मनुष्य, उसने तुझे भला बताया है। और यहोवा तुझसे क्या चाहता है? न्यायपूर्वक कार्य करना, दया करना और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चलना।" मीका 6:8 (एनआईवी)
- उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो मानव तस्करी का शिकार हैं, जातिगत आधार पर हाशिए पर हैं, शारीरिक रूप से कमजोर हैं और गरीब हैं, ताकि वे सुसमाचार सुन सकें और यीशु में राहत और नया जीवन पा सकें, जहां वे उनकी शक्ति और अपने महत्व की पुष्टि प्राप्त कर सकें।

"इसी कारण उन्हें उनके समान, हर तरह से पूर्ण मनुष्य बनाया जाना आवश्यक था, ताकि वे परमेश्वर की सेवा में एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बन सकें, और लोगों के पापों का प्रायश्चित कर सकें। क्योंकि उन्होंने स्वयं परीक्षा में पड़ने पर कष्ट सहा, इसलिए वे परीक्षा में पड़ने वालों की सहायता करने में सक्षम हैं।" इब्रानियों 2:17-18 (एनआईवी)

- इन शहरों में यीशु के उन अनुयायियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने आस-पास के लोगों के प्रति प्रेम का भाव रखते हैं; उनकी सुरक्षा, ज्ञान, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के साथ-साथ भरपूर फसल के लिए प्रार्थना करें।

"परन्तु जो बीज अच्छी मिट्टी पर गिरता है, उसका तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो वचन सुनता और समझता है। यही वह व्यक्ति है जो फसल पैदा करता है, बोए गए बीज से सौ गुना, साठ गुना या तीस गुना उपज देता है।" मत्ती 13:23 (एनआईवी)



दिन 6

7 नवंबर

ज्ञान कहाँ पाया जा सकता है?

"वे नदियों के उद्गम स्थलों की खोज करते हैं और छिपी हुई बातों को प्रकाश में लाते हैं। लेकिन ज्ञान कहाँ पाया जा सकता है? समझ कहाँ निवास करती है?"

अय्यूब 28:11-12 (एनआईवी)

ध्यान केंद्रित करना:

प्रवासी/बीएपीएस/योग/
गुजराती/दिवाली



गंगा बेसिन की सीमाओं से परे, हिंदू धर्म, संस्कृति और परंपरा को महासागरों के पार ले जाते हैं, और जिन देशों में वे बसते हैं, वहां के धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को नया रूप देते हैं। आइए आज हम अपनी प्रार्थनाएं भारतीय प्रवासी समुदाय पर केंद्रित करें, जिसकी संख्या अब 18 मिलियन से अधिक है और जो विश्व में सबसे अधिक भौगोलिक रूप से विकेंद्रीकृत और प्रभावशाली प्रवासी आबादी में से एक बन गया है।

प्रवासी भारतीयों की उपस्थिति का एक प्रत्यक्ष प्रमाण मंदिर निर्माण है। कुछ पर्यवेक्षक ऐसे विशाल मंदिर निर्माणों को महज़ पूजा स्थल से कहीं अधिक मानते हैं—ये नए देश में सामुदायिक उपस्थिति और स्थायित्व के स्थायी, भौतिक प्रमाण के रूप में कार्य करते हैं, जो एक प्रकार से सांस्कृतिक क्षेत्र-चिह्नित करने के समान है, जबकि अन्य इन्हें केवल भक्ति और सामुदायिक केंद्र के रूप में देखते हैं। इसी प्रकार, पश्चिमी फिटनेस और स्वास्थ्य संस्कृति में योग की व्यापक लोकप्रियता हिंदू मूल की आध्यात्मिक प्रथा के समानांतर सामान्यीकरण को दर्शाती है, जिसे प्रवासी भारतीय आगे बढ़ा रहे हैं। प्रवासी भारतीयों में गुजराती विशेष रूप से प्रमुख हैं, जो ऐतिहासिक रूप से उद्यमी, मोटल मालिक और पेशेवर के रूप में प्रवास करते रहे हैं और मजबूत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क का निर्माण करते रहे हैं। विश्वव्यापी भारतीय प्रवासी भारतीयों का अनुमानित हिस्सा लगभग 33% है, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त 190 संप्रभु देशों में से 129 में मौजूद हैं, जिनकी संख्या संभवतः 6-10 मिलियन के बीच है।

विश्वभर में हिंदू प्रवासियों की बढ़ती संख्या के साथ, दिवाली जैसे हिंदू धार्मिक उत्सवों को व्यापक जनमानस में पहचान मिल रही है। दिवाली हिंदुओं का प्रकाश का त्योहार है, जो अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है (अक्सर इसे राम द्वारा सीता को छुड़ाने और उन्हें घर वापस लाने की घटना से जोड़ा जाता है)। दिवाली के दौरान, हिंदू तेल के दीपक (दीये) और मोमबत्तियां जलाते हैं और लक्ष्मी और गणेश जैसे देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, अक्सर आतिशबाजी और उत्सवपूर्ण समारोहों के साथ।

प्रार्थना के बिंदु

- प्रार्थना करें कि विदेशों में रहने वाले विश्वासी इस बात को पहचानें कि उनके पास प्रवासी हिंदुओं के साथ यीशु के प्रेम को खुले तौर पर साझा करने का कितना अद्भुत अवसर है।
    - "...परन्तु यहोवा तुम पर उदय होगा और उसकी महिमा तुम पर प्रकट होगी। राष्ट्र तुम्हारे प्रकाश की ओर आएंगे, और राजा तुम्हारे भोर के प्रकाश की ओर।" यशायाह 60:1-3 (एनआईवी)
        - प्रार्थना करें कि गुजराती समुदाय के कई लोग सुसमाचार सुनें और यीशु के माध्यम से परमेश्वर द्वारा दिए जाने वाले नए जीवन और आशा को खुले दिल से स्वीकार करें।

"हम परमेश्वर की बुद्धि की घोषणा करते हैं, एक रहस्य जो छिपा हुआ था और जिसे परमेश्वर ने सृष्टि के आरंभ से पहले हमारी महिमा के लिए ठहराया था। इस युग के किसी भी शासक ने इसे नहीं समझा, क्योंकि यदि वे समझते, तो महिमा के प्रभु को क्रूस पर न चढ़ाते। 9 परन्तु जैसा लिखा है: "जो किसी आँख ने नहीं देखा, जो किसी कान ने नहीं सुना, और जो किसी मनुष्य के मन में नहीं आया," वे बातें परमेश्वर ने उन लोगों के लिए तैयार की हैं जो उससे प्रेम करते हैं..." 1 कुरिन्थियों 2:7-9 (एनआईवी)

- दिवाली मनाने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे अंधकार पर सच्चे प्रकाश को चुनने के अवसर को पहचानें — और यीशु ने क्रूस पर अपने कार्य के द्वारा हमें उद्धार दिया और हमें परमेश्वर के पास वापस ले आए। अय्यूब 28:11-12 (एनआईवी)

"परन्तु अब जब तुम पाप से मुक्त होकर परमेश्वर के दास बन गए हो, तो इससे मिलने वाला लाभ पवित्रता की ओर ले जाता है, और फलस्वरूप अनन्त जीवन प्राप्त होता है। ..." रोमियों 6:22 (एनआईवी)

दिन 7

8 नवंबर

हिंदू लोगों के लिए वैश्विक प्रार्थना दिवस

हिंदू जगत के लिए प्रार्थना के इस वैश्विक दिवस पर, आइए प्रार्थना करें कि प्रत्येक हिंदू पवित्र आत्मा की शक्ति और उपस्थिति के माध्यम से यीशु मसीह के साथ एक सच्चा अनुभव प्राप्त करे। आइए प्रार्थना करें कि अंधकार का पर्दा हट जाए और दुनिया भर के हिंदू यीशु के चेहरे में सुसमाचार का प्रकाश देख सकें! 2 कुरिन्थियों 4:6। हम इस दिन सभी से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे 5 लोगों के लिए नाम लेकर प्रार्थना करें - ऐसे लोग जिन्हें आप जानते हैं और जिन्हें यीशु की आवश्यकता है!

https://aqueductproject.zoom.us/j/82923936247
पासकोड: 2818

12 GLOBAL PRAYER POINTS

1. Pray for Jesus Christ to be exalted in every nation and for the Gospel to be proclaimed and to reach all people. (Matthew 24:14)
2. Pray for multiplying house churches to be planted among unreached megacities around the world.
3. Pray for the Lord of the Harvest to send forth laborers to every people group, tribe and nation. (Luke 10:2)
4. Pray for houses of prayer and worship to be established in cities and among the nations. (Mark 11:17)
5. Pray for unity in the Body of Christ and for the Holy Spirit to bring revival, humility and love. (John 17:23)
6. Pray for Bible translation and the Gospel to be made accessible in every language and culture.
7. Pray for believers experiencing persecution to stand firm in faith and to be strengthened. (Acts 4:3:1)
8. Pray for children and youth to encounter Jesus and to be raised up as a generation of kingdom leaders. (Joel 2:28)
9. Pray for the breakthrough of the Gospel in places of spiritual darkness and oppression. (2 Cor. 4:4-6)
10. Pray for the forgotten – the poor, the sick, the marginalized, and the lonely – that they may experience God's love. (Psalm 146:7)
11. Pray for migrants, refugees, and displaced people to find hope and safety in Jesus. (Matthew 9:37-38)
12. Pray for women, girls, and families to be protected, healed, and empowered by God's love. (Psalm 72:1-4)



कृपया विश्वभर के लोगों के साथ 24 घंटे की निरंतर प्रार्थना में हमारे साथ शामिल हों, या अपने मित्रों और परिवार के साथ स्थानीय रूप से एकत्रित होकर हमारे विश्व में हिंदू लोगों के लिए यीशु के समक्ष प्रार्थना करें।

आइए इनके लिए प्रार्थना करें 21 अछूते मेगासिटी

1. Ahmedabad, India
2. Amritsar, India
3. Asansol, India
4. Bangalore, India
5. Bhopal, India
6. Chittagong, Bangladesh
7. Dhaka, Bangladesh
8. Delhi, India
9. Hyderabad, India
10. Jaipur, India
11. Kanpur, India
12. Kathmandu, Nepal
13. Kolkata, India
14. Lucknow, India
15. Mumbai, India
16. Patna, India
17. Prayagraj, India
18. Siliguri, India
19. Srinagar, India
20. Surat, India
21. Varanasi, India

2027

5 GLOBAL DAYS OF PRAYER

WORLDWIDE WORSHIP & PRAYERS FOR GOSPEL MOVEMENTS, REVIVAL & TRANSFORMATION



JANUARY 31ST

Global Day of Prayer
for Buddhist Peoples
(Lunar New Year)

MARCH 5TH

Global Day of Prayer
for Muslim Peoples
(Night of Power)

MAY 16TH

Global Day of Prayer for
the Worldwide Church
(Pentecost)

OCTOBER 29TH

Global Day of Prayer
for Hindu Peoples
(Diwali)

OCTOBER 11TH

Global Day of Prayer
for Jewish Peoples
(Day of Atonement)

Praying God's Word

365-Day Guide for the World

Join a global movement of intercessors praying by name for: marketplace leaders, church planters, Bible translators, women's leaders, children's ministry leaders and movement leaders - as they declare His Name among the 110 Gateway Cities of the unreached world.

Sign up at the YouVersion Bible app on iOS and Android platforms.



SIGN UP HERE

गंगा नदी के किनारे एक प्रार्थना यात्रा

हिंदू लोगों के लिए 7 दिवसीय मार्गदर्शिका

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

इनके सहयोग से प्रकाशित:

110 Cities | 2DC 2 DOLLAR CAMPAIGN | ftt finishing the task | 24:14 | YouVersion | PRAYER TOOLS

आईपीसी प्रतिवर्ष पांच प्रार्थना मार्गदर्शिकाओं के लिए सामग्री लिखती और प्रकाशित करती है। प्रत्येक मार्गदर्शिका का 30 भाषाओं में अनुवाद किया जाता है और इसे दुनिया भर के व्यक्तियों और सहयोगी मंत्रालयों को उपलब्ध कराया जाता है। 10 करोड़ से अधिक यीशु के अनुयायियों ने इन निःशुल्क संसाधनों का उपयोग करने का संकल्प लिया है।

यह संसाधन इंटरनेशनल प्रेयर कनेक्ट (IPC) द्वारा लिखा और प्रकाशित किया गया है। इसे गैर-व्यावसायिक प्रार्थना, शिक्षण और सेवा कार्यों के लिए स्वतंत्र रूप से साझा और वितरित किया जा सकता है। यदि आप इस सामग्री के किसी भी भाग को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पुनरुत्पादित, अनुकूलित या उपयोग करना चाहते हैं, तो कृपया अनुमति के लिए IPC से संपर्क करें।

इंटरनेशनल प्रेयर कनेक्ट (आईपीसी) इस गाइड में संदर्भित बाहरी वेबसाइटों या तृतीय-पक्ष स्रोतों पर मौजूद जानकारी की सामग्री या सटीकता के लिए जिम्मेदार नहीं है।

व्यक्तियों की निजता और सुरक्षा की रक्षा के लिए नाम और कुछ पहचान संबंधी विवरण बदल दिए गए हैं।

इस संसाधन में दर्शाई गई सभी आकृतियाँ काल्पनिक हैं और केवल उदाहरण के तौर पर बनाई गई हैं। ये वास्तविक व्यक्तियों को नहीं दर्शाती हैं और जीवित या मृत किसी भी व्यक्ति से इनकी समानता केवल संयोगवश है।

पवित्र बाइबिल, न्यू इंटरनेशनल वर्जन® से लिए गए धर्मग्रंथ उद्धरण। कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984, 2011 बिब्लिका, इंक.™ द्वारा। अनुमति से उपयोग किया गया। सर्वत्र सर्वाधिकार सुरक्षित।

इंटरनेशनल प्रेयर कनेक्ट (आईपीसी), जिसे इंटरनेशनल प्रेयर काउंसिल के नाम से भी जाना जाता है, संयुक्त राज्य अमेरिका में पंजीकृत एक 501(सी)(3) गैर-लाभकारी संस्था है। पंजीकृत कार्यालय का पता: 313 ई वाइज़र लेक रोड, लिंडन, वाशिंगटन 98264, संयुक्त राज्य अमेरिका

2 BILLION CHILDREN

CHILDREN HAVE THE POWER TO CHANGE THE WORLD!



There are over 2 Billion children in the world under the age of 15 years. More than 1 Billion live in Asia, and more than 500 Million live in Africa.

IMAGINE... ALL CHILDREN

HEARING the voice of their Heavenly Father

KNOWING their identity in Christ

EMPOWERED by God's Spirit to share His love



GOD WANTS EVERY CHILD TO BE A WORLD CHANGER!



WILL YOU JOIN US?!

INSPIRATION • TRAINING • CHAMPIONS! • PRAY

PROUD TO BE PARTNERING WITH:

The Great Commission Coalition · House of Glory · Global Voice of Prayer · MANI · GO Movement · The Prayer · 4/14 movement · Hands to the World · CEF · Billion Soul Harvest · 10DAYS

www.2bc.world

Lausanne Hethne
Consultation 2028

Lausanne
hethne
CONSULTATION 2028
Let Your Light Shine Among the Hethne









Let Your Light Shine Among the Hethne

The **Global Hethne Consultation 2028** will bring together a carefully selected group of leaders, practitioners, and collaborators from across the world who are engaged in ministry among Hethne people and their diaspora.

Join us

24 - 28
April 2028
Thailand

CONTACT: hethne2028@lausanne.org | www.lausanne.org/hethne2028

Lausanne
MOVEMENT